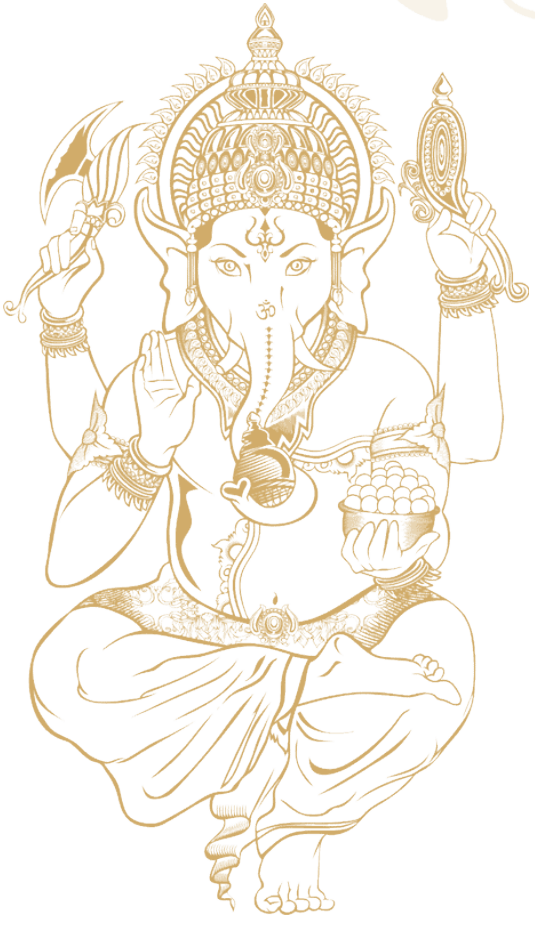

Hrudesh jaiswal

Minal jaiswal

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121605708

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
16/08/1993	जन्म तिथि	07/02/1993
सोमवार	दिन	रविवार
घंटे 18:15:00	जन्म समय	19:05:00 घंटे
घटी 30:21:01	जन्म समय(घटी)	30:13:45 घटी
India	देश	India
Jalna	स्थान	Wardha
19:50:00 उत्तर	अक्षांश	20:41:00 उत्तर
75:58:00 पूर्व	रेखांश	78:40:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:08	स्थानिक संस्कार	-00:15:20 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:06:35	सूर्योदय	06:49:44
18:53:50	सूर्यास्त	18:09:26
23:46:22	चित्रपक्षीय अयनांश	23:45:57

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शनि 6वर्ष 3मा 11दि	19:39:08	मक	लग्न	सिंह	08:26:14	केतु 5वर्ष 4मा 10दि
शुक्र	29:53:05	कर्क	सूर्य	मक	25:01:55	चन्द्र
28/11/2023	12:15:30	कर्क	चंद्र	सिंह	03:07:11	19/06/2024
28/11/2043	09:03:22	कन्या	मंगल व	मिथु	15:17:38	20/06/2034
शुक्र 29/03/2027	16:56:49	कर्क	बुध	कुंभ	06:01:54	चन्द्र 20/04/2025
सूर्य 29/03/2028	18:30:55	कन्या	गुरु व	कन्या	20:47:03	मंगल 19/11/2025
चन्द्र 27/11/2029	23:06:53	मिथु	शुक्र	मीन	10:35:27	राहु 21/05/2027
मंगल 27/01/2031	03:26:31	कुंभ व	शनि	मक	26:54:41	गुरु 19/09/2028
राहु 27/01/2034	15:29:42	वृश्चि व	राहु व	वृश्चि	25:57:25	शनि 20/04/2030
गुरु 27/09/2036	15:29:42	वृष व	केतु व	वृष	25:57:25	बुध 19/09/2031
शनि 28/11/2039	25:08:35	धनु व	हर्ष	धनु	26:04:53	केतु 19/04/2032
बुध 28/09/2042	25:06:29	धनु व	नेप	धनु	25:58:37	शुक्र 19/12/2033
केतु 28/11/2043	29:00:04	तुला	प्लूटो	वृश्चि	01:38:55	सूर्य 20/06/2034

लग्न-चलित

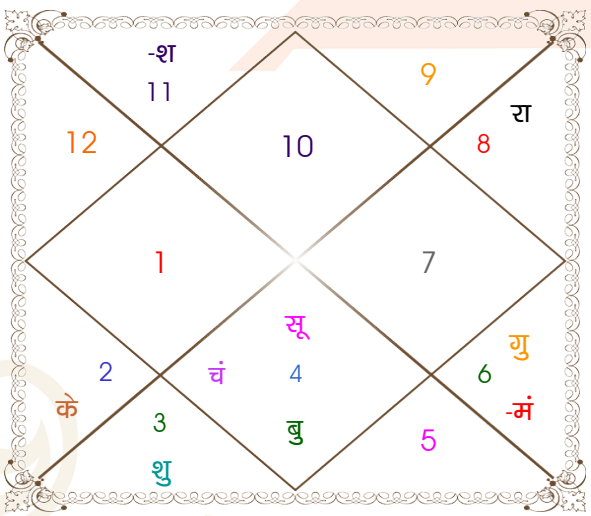

लग्न-चलित

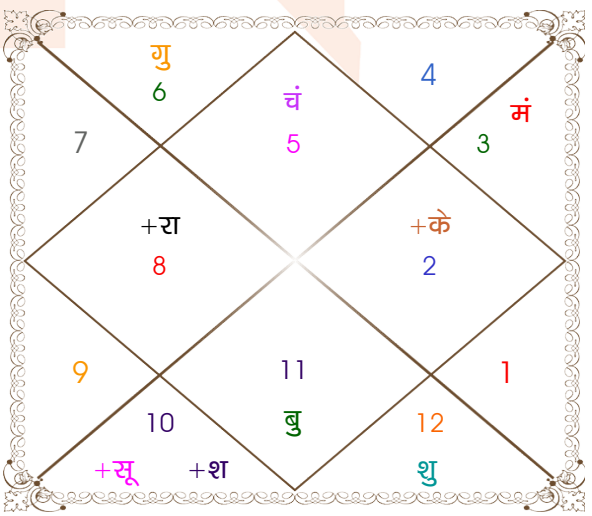

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	वनचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मेष	मूषक	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	सूर्य	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	सिंह	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

भ्तनकमेी रंपूंस का वर्ग मेष है तथा डपदंस रंपूंस का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार भ्तनकमेी रंपूंस और डपदंस रंपूंस का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

भ्तनकमेी रंपूंस मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

डपदंस रंपूंस मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

भ्तनकमेी रंपूंस तथा डपदंस रंपूंस में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।